BA Part II (H)
Paper III

Dr. Chiranjeev Kr Thakur
Sociology

Lecture II

नगरीय समुदाय की विशेषताएं =)

6. सामाजिक गतिशीलता = नगरीय समुदाय में सामाजिक गतिशीलता अत्यधिक पाया जाता है। नगरीय समुदाय के व्यक्तियों में स्थान एवं रोजगार या व्यवसाय के प्रति विशेष लगाव नहीं होता, उन्हें जहां अच्छा रोजगार या व्यवसाय का अवसर मिलता है वे वहीं चले जाते हैं। नौकरी या व्यवसाय बदलने में वह नहीं हिचकते। इस समाज में स्थानीय एवं सामाजिक गतिशीलता का प्रमुख कारण व्यक्तियों का उच्च शिक्षित, योग्य, कुशल व क्षमतावान होना है, जो अपनी प्रगति के लिए प्रत्येक प्रकार का जोखिम उठाने के लिए तैयार हो जाता है।

7. व्यक्तिवादिता - नगरीय समुदाय में 'मैं' की भावना तथा व्यक्तिगत उन्नति की कामना अधिक होती है। व्यक्ति स्वयं के विकास एवं प्रगति के लिए प्रयासरत होता है साथ ही समाज के विकास एवं प्रगति के प्रति उदासीन होता है। इसकारण व्यक्ति को स्वार्थी दृष्टिकोण से देखा जाता है। परिणामस्वरूप नगरों में एकाकी परिवार की संख्या में बढ़ोत्तरी हो रही है।

8. ~~शिक्षा एवं संस्कृ~~

8. शिक्षा एवं संस्कृति के केन्द्र - नगरों में विभिन्न प्रकार की शिक्षण संस्थाएं - विद्यालय, महाविद्यालय व विश्वविद्यालय तथा प्रशिक्षण संस्थान होने से सभी विषयों की शिक्षा स्थानीय उपलब्ध होता है। कला, संगीत, चिकित्सा, विज्ञान, इंजीनियरिंग, प्रौद्योगिकी एवं मशीन के समावेश का देने वाली शिक्षण संस्थाएं नगरों में पायी जाती है।

9. राजनीतिक गतिविधियों का केन्द्र - नगर राजनीतिक दृष्टि कोण से भी महत्वपूर्ण है। नगरों में ही सरकार के विभिन्न विभाग एवं कार्यालय होते हैं। वहां पर राज्यों की राजधानियां, सैनिक छावनियां एवं विभिन्न राजनीतिक दलों के मुख्यालय होते हैं। अतः सरकार एवं राजनीतिक दल भी अपनी नीति एवं भावी कार्यक्रमों का निर्धारण नगरीय महत्व को ध्यान में रखकर करते हैं।

10. सामाजिक समस्याएं - वर्तमान में नगर अपराध, बाल अपराध, वेश्यावृत्ति, बेकारी, गन्दी बस्तियां, पागलपन, निम्न स्वास्थ्य, कुपोषण, वर्ग संघर्ष, वायु प्रदूषण एवं बीमारी आदि अनेक प्रकार की समस्याओं के केन्द्र बन गये हैं।